राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा:समालोचनात्मक अध्ययन

डॉ. राजेश कुमार,

असिस्टेंट प्रोफेसर,शिक्षाशास्त्र विभाग

श्री बजरंग स्नातकोत्तर महाविद्यालय,दादर आश्रम,सिकंदरपुर,बलिया।

मुख्य शब्द

डिजिटल शिक्षा

शोध सारांश

प्रस्तुत शोध लेख में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा,उसकी भविष्य की संभावनाएं एवं चुनौतियां का समालोचनात्मक अध्ययन किया गया है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और तकनीकी सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।इस नीति में डिजिटल शिक्षा को परंपरागत शिक्षा के साथ-साथ एक अनिवार्य आवश्यकता के रूप में स्वीकार किया गया है।ऑनलाइन शिक्षा,आभासी प्रयोगशालाएं सहित मिश्रित विधियों के प्रयोग के द्वारा सर्वसुलभ एवं समावेशी शिक्षा की संकल्पना को साकार करने का प्रयास किया गया है।उपरोक्त अध्ययन से यह स्पष्ट है,कि निसंदेह डिजिटल शिक्षा,शिक्षा एवं शिक्षण की गुणवत्ता संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है,परंतु इसके क्रियान्वयन में अनेकों व्यावहारिक कठिनाइयां व्याप्त है,यथा डिजिटल उपकरणों का अभाव एवं डिजिटल साक्षरता की कमी आदि अनेक ऐसे कारण है,जो डिजिटल साक्षरता के लक्ष्य प्राप्ति में बाधक है। इसके अतिरिक्त साइबर सुरक्षा जैसी भयावह समस्याएं इसके क्रियान्वयन में बाधक प्रतीत होती है।निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है,डिजिटल शिक्षा के लक्ष्य प्राप्ति हेतु एक समावेशी एवं संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है।इसके साथ डिजिटल जागरूकता तथा प्रशिक्षण संबंधी समस्याओं की पूर्ति के द्वारा इस नवाचार से व्यापक लाभ प्राप्ति की संभावनाये है।

भूमिका

21वीं सदी सूचना एवं संचार क्रांति का ययुग है।आधुनिक वैज्ञानिक एवं तकनीकी खोजो ने जीवन के प्रायः प्रत्येक क्षेत्र को अनिवार्य रूप से प्रभावित किया है।शिक्षा भी इससे अछूती नहीं है।डिजिटल लेनदेन,डिजिटल संचार के साधनों ने जीवन को सरल बनाने में महती भूमिका का निर्वहन किया है।शिक्षा के क्षेत्र में भी डिजिटल शिक्षा की आवश्यकता को देखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा का एक अनिवार्य अंग बनाया गया है। कोविड-19 के समय डिजिटल शिक्षा के महत्व को और भी बढ़ा दिया था।इसी समय से शिक्षा परंपरागत साधनों के साथ-साथ डिजिटल युग में तीव्र गति से प्रवेश कर रही है।मोबाइल फोन,इंटरनेट आदि के बढ़ते प्रचलन में डिजिटल शिक्षा को सर्वसुलभ,लचीला एवं व्यापक बना दिया है।इन्हीं संभावनाओं के दृष्टिगत नई शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा को परंपरागत शिक्षा की एक सहायक प्रणाली के रूप में स्वीकार किया गया है।इसका मुख्य उद्देश्य वर्तमान विश्वस्तरीय शिक्षा के समतुल्य खड़े होने के लिए शैक्षिक स्तर का उन्नयन करना है।इसके साथ-साथ गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ सर्वसुलभ शिक्षा की व्यवस्था करना भी है।निसंदेह डिजिटल शिक्षा अनेक अवसर उपलब्ध कराता है,परंतु अनेक व्यावहारिक

समस्याएं भी मुंह खोले खड़ी हैं। अतः आज आवश्यकता है,कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का समालोचनात्मक अध्ययन किया जाए,जिससे उसकी प्रभावशीलता में वृद्धि की जा सके और चुनौतियों से बखूबी निपटा जाए।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1 आधुनिक शिक्षा में डिजिटल शिक्षा की भूमिका और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करना।

2 NEP 2020 में डिजिटल शिक्षा की अवधारणा का विश्लेषण करना।

3 डिजिटल शिक्षा से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं का विश्लेषण करना।

4 डिजिटल शिक्षा के शिक्षा में प्रभावी कार्यान्वयन हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक एवं समालोचनात्मक विधियों का प्रयोग किया गया है।इसमें विभिन्न सरकारी दस्तावेज,रिपोर्ट,शोध पत्र एवं समाचार पत्रों में प्रकाशित लेखों को अध्ययन का आधार बनाया गया है।

NEP 2020 में डिजिटल शिक्षा की संकल्पना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा को सर्वसुलभ शिक्षा के लक्ष्य प्राप्ति का साधन माना गया है।इस नीति का लक्ष्य विभिन्न तकनीकी माध्यमों के प्रयोग से शिक्षा की प्रक्रिया को अधिक लचीला एवं प्रभावशाली बनाना है।डिजिटल शिक्षा की संकल्पना के अंतर्गत NEP 2020 में निम्नलिखित बिंदुओं के अंतर्गत लिपिबद्ध किया गया है।

1 NEP 2020 में कक्षा शिक्षण को नजरअंदाज नहीं किया गया है,बरन छात्रों की सीखने की निरंतरता एवं गुणवत्ता संवर्धन हेतु डिजिटल शिक्षा को परंपरागत कक्षा शिक्षण की एक प्रभावी अंग के रूप में स्वीकार किया गया है। निष्कर्ष: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में एक मिश्रित प्रणाली को स्वीकार किया गया है।

2 इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु राष्ट्रीय स्तर पर ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के विकास पर बल दिया गया है।इससे सर्वशुलभ,गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

3 परंपरागत विद्यालयों में संसाधन अभाव के कारण प्रयोगात्मक कार्य की बाधाओं को दूर करने के लिए NEP 2020 में वर्चुअल लैब तथा सिमुलेशन टूल्स के विकास पर बल दिया गया है।

4 डिजिटल शिक्षा की संकल्पना की सार्थकता हेतु शिक्षकों का तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता को देखते हुए NEP 2020 में ई.अध्ययन सामग्री निर्माण,ऑनलाइन शिक्षण तथा डिजिटल टूल्स के प्रभावी प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया है।

5 व्यक्तिगत भिन्नताओं एवं विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए दूरस्थ शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया है।

6 भारत बहुभाषी देश है।NEP 2020 में मातृभाषा में शिक्षा की उपलब्धता पर जोर दिया गया है।इसलिए छात्र की समझ को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न भाषाओं में डिजिटल सामग्री के विकास पर बल दिया गया है।

7 डिजिटल शिक्षा के लिए भौतिक संसाधनों की आवश्यकता के मद्देनजर शैक्षिक संस्थानों में स्मार्ट क्लास,इंटरनेट उपलब्धता,आई.सी.टी अवसंरचना,डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता पर बल दिया गया है।

संक्षेप में NEP 2020 में डिजिटल शिक्षा के लक्ष्य के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं सर्वसुलभ शिक्षा उपलब्ध कराने तथा भविष्य की चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाने का प्रयास किया गया है।

डिजिटल शिक्षा:चुनौतियां एवं सीमाएं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहन दिया जाना प्रशंसनीय है।परंतु धरातल पर अनेक व्यावहारिक समस्याएं उपस्थित हैं।इसका विश्लेषण निम्नलिखित बिंदुओं में किया गया है।

1 भारत विविधताओं का देश है।इसमें ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में संसाधनों की उपलब्धता के दृष्टिगत एक बड़ी असमानता है।डिजिटल शिक्षा के लिए आवश्यक अनिवार्य भौतिक संसाधनों की उपलब्धता दूर की कौड़ी प्रतीत होती है।ऐसी स्थिति में सर्वशुलभ एवं शैक्षिक अवसरों की समानता की संकल्पना को सिद्ध नहीं किया जा सकता है।

2 कई शैक्षिक संस्थानों में डिजिटल शिक्षा हेतु अनिवार्य आई.सी.टी संरचना का अभाव है।स्मार्ट क्लास l,तकनीकी सहायक आदि की कमी डिजिटल शिक्षा के मार्ग में बाधक है।

3 डिजिटल शिक्षा की संकल्पना की सिद्धि के लिए केवल भौतिक संसाधनों की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं है वरन छात्र एवं शिक्षकों के डिजिटल उपकरणों की प्रयोग की दक्षता आवश्यक है।दक्षता के अभाव में इसका पर्याप्त प्रयोग नहीं हो पाता है।

4 केवल डिजिटल माध्यम से शिक्षा देने पर छात्र एवं शिक्षक के मध्य परस्पर अंत:क्रिया ना होने के कारण भावात्मक लगाव नहीं हो है। इसके अत्यधिक प्रयोग से अनेक मानसिक समस्याओं के उत्पन्न होने की संभावना है।

5 भारत जैसी बहुभाषी देश में विभिन्न भाषाओं में डिजिटल सामग्री की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

6 ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग ने साइबर क्राइम एवं डाटा की गोपनीयता पर एक गंभीर संकट खड़ा कर दिया है आए दिन ऐसी घटनाएं आम है।

7 सामाजिक आर्थिक असमानता भी डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता को प्रभावित करते हैं।

सुझाव एवं समाधान

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत डिजिटल शिक्षा को प्रभावशाली एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने हेतु निम्नलिखित सुझाव हैं।

1 भारत गांवों का देश है। अतः ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालयों में डिजिटल उपकरणों यथा स्मार्ट क्लास,कंप्यूटर,इंटरनेट आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

2 शिक्षकों के लिए समय-समय पर आई.सी.टी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए ताकि वह डिजिटल शिक्षा में तकनीकी सक्षम हो पाए।

3 भाषा समस्या से निपटने के लिए विभिन्न भाषाओं में डिजिटल सामग्री का निर्माण किया जाए।

4 भावात्मक,व्यावहारिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से डिजिटल शिक्षा के साथ मिश्रित पद्धति का प्रयोग किया जाए।

5 सामाजिक आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित छात्रों के लिए डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए।

6 साइबर सुरक्षा एवं डाटा की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों के साथ आवश्यक कदम उठाए जाएं।

7 अंत में समय-समय पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन किया जाए तथा सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहन देना एक दूरदर्शी एवं भविष्योन्मुखी कदम है।डिजिटल शिक्षा के द्वारा समावेशी एवं सर्व शिक्षा की संकल्पना को साकार किया जा सकता है।इसके प्रयोग से शिक्षण प्रक्रिया को अधिक लचीला,रोचक एवं प्रभावी बनाया जा सकता है।आधुनिक वैश्विक परिवेश के दृष्टिगत डिजिटल शिक्षा शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक सिद्ध हो सकता है।परंतु आलोचनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में अनेक व्यावहारिक समस्याएं हैं।इन समस्याओं के निराकरण के उपरांत ही इससे व्यापक लाभ उठाया जा सकता है।निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है,कि डिजिटल शिक्षा के लिए केवल तकनीकी साधनों की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं है,इसके साथ-साथ प्रशिक्षण,स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप सामग्री,प्रभावी निगरानी तंत्र आदि अनिवार्य है।इसके साथ प्रभावी नीति निर्माण के द्वारा परंपरागत कक्षा शिक्षण के साथ डिजिटल माध्यमों के प्रयोग से शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है।

संदर्भ

1 शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार:राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

2 www.google.com

3 www.wikipedia.com

4 www.shodhganga.com

5 www.shodhgangotri.com

Contributor Details:

डॉ. राजेश कुमार,

असिस्टेंट प्रोफेसर,शिक्षाशास्त्र विभाग

श्री बजरंग स्नातकोत्तर महाविद्यालय,दादर आश्रम,सिकंदरपुर,बलिया।